आवेदन-पत्र/प्रार्थना-पत्र (प्रधानाचार्य/मुख्याध्यापक को)

16. अपने प्रधानाचार्य को छात्रवृत्ति के लिए एक आवेदन पत्र लिखिए।

सेवा में,
प्रधानाचार्य महोदय,
केंद्रीय विद्यालय नं. एक,
पटेल पार्क,
अंबाला छावनी।

विषय–छात्रवृत्ति के लिए आवेदन।

महोदय,

मैं विद्यालय की ग्यारहवीं कक्षा का छात्र हूँ। मेरी आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय है। पिताजी रिटायर हो चुके हैं। हम सब कुल मिलाकर परिवार में आठ सदस्य हैं तथा पिताजी की पेंशन के कुल तीन हजार रुपए आते हैं। गत वर्ष दसवीं की परीक्षा में मेरे 92 प्रतिशत अंक थे तथा मैंने चंडीगढ़ संभाग में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। मुझे निबंध प्रतियोगिता में भी प्रथम स्थान प्राप्त हुआ था, यह प्रतियोगिता भूतल परिवहन मंत्रालय द्वारा आयोजित की गई थी। साथ ही मैंने हॉकी की टीम के खिलाड़ी के रूप में हरियाणा राज्य की टीम का प्रतिनिधित्व किया था। मैं आपके विद्यालय का अनुशासित खिलाड़ी तथा मेधावी छात्र हूँ।

मेरा आपसे विनम्र निवेदन है कि आप मुझे छात्रवृत्ति की सुविधा प्रदान कर कृतार्थ करेंगे। मैं जीवन भर आपका आभारी रहूँगा।

सधन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी शिष्य
अर्जुन शर्मा
दिनांक–16 दिसम्बर, 20××
कक्षा–दसवीं 'ब'

17. प्रधानाचार्य को चरित्र प्रमाण पत्र देने का अनुरोध करते हुए एक प्रार्थना पत्र लिखिए तथा उसमें यह भी उल्लेख कीजिए कि उसकी आपको क्यों आवश्यकता है।

सेवा में,
श्रीमान प्रधानाचार्य महोदय,
राजकीय उच्चतर माध्यमिक बाल विद्यालय
ब्लाक-20, त्रिलोकपुरी
नई दिल्ली–92

Scanned with CamScanner

मान्यवर महोदय,
सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय का 1999 से 2004 तक छात्र रहा हूँ। गतवर्ष 2004 में मैंने सीनियर सैकेंडरी परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की थी। मैंने पढ़ाई के साथ वाद-विवाद, काव्य-पाठ प्रतियोगिता तथा खेलों में भाग लिया था। मैं विद्यालय की क्रिकेट-टीम का कप्तान भी था। ऐसे अनेक अवसर आए जब मैंने विद्यालय के लिए अनेक बार ट्राफियाँ भी जीतीं। मेरे बारे में संपूर्ण जानकारी मेरे कक्षा अध्यापक श्री भगवती प्रसाद शर्मा से मिल जाएगी।
मान्यवर, मुझे रानी लक्ष्मीबाई फिजीकल एजूकेशन ट्रेनिंग कालेज ग्वालियर में बी. पी. एड. में प्रवेश हेतु चरित्र प्रमाण पत्र की आवश्यकता है।
अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि मुझे अतिशीघ्र चरित्र प्रमाण-पत्र देने की कृपा करें।
धन्यवाद।
आपका आज्ञाकारी शिष्य
सृजन शर्मा
दिनांक–18 जुलाई 20××

18. बीमारी के कारण परीक्षा न दे सकने पर प्रधानाचार्य को 'चिकित्सा-अवकाश' के लिए एक आवेदन-पत्र लिखिए।

सेवा में,
प्रधानाचार्य महोदय,
केंद्रीय विद्यालय नं. एक
दिल्ली छावनी।
महोदय,
सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय की दसवीं कक्षा की छात्रा हूँ। विगत एक सप्ताह से मुझे टाइफा- हो गया है। मेरा इलाज शहर के चिकित्सक डॉ. विनय कुमार शर्मा से चल रहा है। उन्होंने दो सप्ताह तक आराम करने की सलाह दी है। इस कारण मैं दो सप्ताह तक विद्यालय आने में असमर्थ हूँ। इस कारण मैं 23 नवंबर से प्रारंभ होने वाली अर्द्धवार्षिक परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो पाऊँगी।
अतः आपसे प्रार्थना है कि मुझे 20 नवंबर से 5 दिसंबर तक दो सप्ताह का चिकित्सा-अवकाश प्रदान करें। आपकी अत्यंत कृपा होगी।
आपकी आज्ञाकारिणी छात्रा,
स्मिता गुप्ता
दिनांक : 28 दिसंबर 20××
दसवीं 'द'

Scanned with CamScanner